पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'विकसित भारत 2047 : युवाओं की आवाज' पर सम्बोधन कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से राजभवन लखनऊ ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और शिक्षकों के साथ प्रतिभाग किया

'विकसित भारत 2047 : युवाओं की आवाज' कार्यशाला युवा शक्ति के लिए विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय रूप से शामिल होने और योगदान देने का एक अद्‌भुत मंच है

व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्र निर्माण होता है

भारत के इतिहास का ये वो दौर है, जब देश लंबी छलांग लगाने जा रहा है

प्रत्येक व्यक्ति और संगठन को इस संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए कि वे जो भी करेंगे, वह 'विकसित भारत' के लिए करेंगे

हमें एक ऐसी युवा पीढ़ी तैयार करनी है, जो देश को नेतृत्व दे, हर चीज पर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे

युवा शक्ति परिवर्तन का वाहक भी है और परिवर्तन का लाभार्थी भी है

विश्वविद्यालयों को भी भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद करने के लिए कदम उठाने चाहिए

आजादी का आंदोलन में युवा पीढ़ी की अहम भूमिका रही है। ऐसे संकल्प लें जो कुछ भी करूंगा वह विकसित भारत के लिए करूंगा

—प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी

कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपतियों और शिक्षकों ने प्रधानमंत्री के सम्बोधन और आह्वान पर दो सत्रों में चर्चा—परिचर्चा की

लखनऊ : 11 दिसम्बर, 2023

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'विकसित भारत 2047 : युवाओं की आवाज' पहल का आज शुभारंभ किया किया। इस कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए राजभवन लखनऊ ने भी प्रदेश के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और शिक्षकों के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 'विकसित भारत

2047 : युवाओं की आवाज' कार्यशाला युवा शक्ति के लिए विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय रूप से शामिल होने और योगदान देने का एक अद्‌भुत मंच है।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा कि व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्र निर्माण होता है। भारत के इतिहास का ये वो दौर है, जब देश लंबी छलांग लगाने जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति और संगठन को इस संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए कि वे जो भी करेंगे, वह 'विकसित भारत' के लिए करेंगे। हमें इस अमृतकाल के एक–एक पल का लाभ उठाना है।

उन्होंने कहा कि आज 'विकसित भारत' के संकल्पों को लेकर बहुत ही अहम दिन है। उन्होंने इस वर्कशाप का आयोजन करने के लिए सभी राज्यपालों को विशेष बधाई दी। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि देश की युवाशक्ति को दिशा देने का दायित्व जिन साथियों पर है, उनको आप एक मंच पर लाए हैं। शिक्षण संस्थानों की भूमिका व्यक्ति निर्माण की होती है और व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्रनिर्माण होता है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि हमें एक ऐसी युवा पीढ़ी तैयार करनी है, जो देश को नेतृत्व दे, हर चीज पर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया की नजर भारत के युवाओं पर है। युवा शक्ति परिवर्तन का वाहक भी है और परिवर्तन का लाभार्थी भी है।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने कुलपतियों और शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों से कहा कि आप जिन एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स को रिप्रेजेंट करते हैं, आप सभी विकसित भारत@2047 के विजन में कंट्रीब्यूट करने के लिए अपने दायरे से बाहर जाकर भी सोचें। आज ही MyGov के अंदर विकसित भारत @ 2047 सेक्शन लॉन्च हुआ है। इस MyGov (एम0वाई0जी0ओ0वी0) पर इस online ideas (ऑनलाइन आइडियाज) के पोर्टल पर 5 अलग–अलग थीम्स पर सुझाव दिए जा सकते हैं। सबसे बेहतरीन 10 सुझावों के लिए पुरस्कार की भी व्यवस्था की गई है।

उन्होंने देश के समस्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं शिक्षकों से कहा कि आपको अपने संस्थानों में नामांकित छात्रों के लिए रोल मॉडल बनने की जरूरत है। एक शिक्षक के रूप में, आपको यह सोचना चाहिए कि आप देश को विकास दिलाने में क्या मदद कर सकते हैं। इसी तरह, विश्वविद्यालयों को भी भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद करने के लिए कदम उठाने चाहिए। युवाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी का आंदोलन में युवा पीढ़ी की अहम भूमिका रही है। ऐसे संकल्प लें जो कुछ भी करूंगा वह विकसित भारत के लिए करूंगा। उन्होंने कहा कि आज हर व्यक्ति, हर संस्था और हर संगठन को इस प्रण के साथ आगे बढ़ना है कि में जो कुछ भी करूंगा वो विकसित भारत

के लिए होना चाहिए। आपके लक्ष्य, आपके संकल्पों का ध्येय केवल विकसित भारत ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के नागरिक जब देश के हित की सोचेंगे, तभी एक सशक्त समाज का निर्माण होगा।

प्रधानमंत्री जी के सम्बोधन के बाद राजभवन में दो अन्य सत्रों में कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे कुलपतियों का पैनल डिस्कशन तथा प्रश्नोत्तर, चर्चा–परिचर्चा सम्पन्न हुई। विशेष रूप से प्रधानमंत्री जी के सम्बोधन और आह्वान पर केन्द्रित थी।

प्रथम सत्र का विषय एंपावर्ड इंडियन इनोवेशन साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर अपने विचार रखते हुए डायरेक्टर जनरल नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी दिल्ली, श्री एम0एम0 त्रिपाठी ने कहा कि पूरी दुनिया में सबसे कम उम्र की युवा आबादी भारत में सर्वाधिक है। युवाओं को यदि एकीकृत किया जाए तो भारत 2047 से पहले ही विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ जाएगा। विकसित भारत हेतु उन्होंने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, साइबर सिक्योरिटी व डिजिटल कौशल की आवश्यकता पर जोर दिया और डिजिटल अर्थव्यवस्था को सस्टेन करने के लिए साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महत्वपूर्ण है। उन्होंने वर्तमान युग को वर्चुअल एजुकेशन का युग बताते हुए कहा सभी विश्वविद्यालय व संस्थाओं से अपने–अपने कार्यक्रम को वर्चुअल प्लेटफार्म पर ले जाने हेतु अपील की।

इस अवसर पर कुलपति छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय प्रोफेसर विनय पाठक ने आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस की तुलना गूगल से करते हुए तकनीकी विकास का स्वागत करने को कहा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में डिजिटल स्केलिंग के कोर्सेज होने चाहिए। स्किल और वोकेशनल कोर्सेज चलाई जानी चाहिए तथा तकनीक से जुड़ी कम्पनियों को शहरों में भी आना चाहिए।

सत्र में कुलपति हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति प्रोफेसर समशेर ने कहा कि हमारा हर प्रयास विकसित भारत 2047 की दिशा में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को अडॉप्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने पूर्ण विकसित देशों की भांति देश में स्कूलिंग पीरियड को बढ़ाने, फास्ट टेक्नोलॉजी अपनाने, पर्यावरण सरंक्षण करने, रिसोर्सेज का उपयोग, रिड्यूज, रियूज और रिसाइकिल करने पर जोर दिया।

सत्र को संबोधित करते हुए प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा उत्तर प्रदेश, श्री एम देवराज ने बताया कि बड़ी जनसंख्या वाला प्रदेश होने के कारण बिना उत्तर प्रदेश के विकास के विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। श्री देवराज ने कहा की शैक्षिक करिकुलम

को उद्योगों से लिंक किए जाने की जरूरत है। उन्होंने शिक्षकों को भी स्किल बढ़ाने, यूनिवर्सिटी और कॉलेज को डिजिटल किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा विद्यार्थियों की स्किलिंग पर जोर देते हुए उन्हें जॉब प्रोवाइडर बनाने की बात कही।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में उच्चतर शिक्षा का वैश्वीकरण विषय पर विश्व में भारत की स्थिति को लेकर चर्चाएं हुईं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी के निदेशक, श्री अरुण मोहन शैरी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य नॉलेज क्रिएशन, नॉलेज डिसेमिनेशन तथा नॉलेज सर्टिफिकेशन है। उन्होंने शिक्षा में भारत की ग्लोबल रैंकिंग में पिछड़ेपन की वजह शोध की कमी बताई। उन्होंने कहा कि अगर हमें वैश्विक पहचान बनानी है तो नॉलेज क्रिएशन पर ध्यान दें। उन्होंने तकनीक के साथ भारतीय संस्कृति और संगीत को जोड़कर आधुनिक तरीके से विश्व में प्रचारित करने का सुझाव भी दिया।

इस अवसर पर कुलपति अटल बिहारी वाजपई मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ प्रोफेसर संजीव मिश्रा ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों को तकनीकी विश्वविद्यालय से जोड़ने की पॉलिसी भी लागू की जानी चाहिए।

कुलपति डॉ राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी, प्रोफेसर प्रतिभा गोयल ने विगत दशकों में भारत के विकास को अभूतपूर्व बताया तथा कहा कि आज भारत उच्चतर शिक्षा में वैश्विक बन चुका है। उन्होंने कहा कि विदेशों में शिक्षा देना एक व्यवसाय है। देश के माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा एवं राज्यपाल जी के प्रयासों से यहाँ स्थितियां बदली हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को उन्होंने वैश्वीकरण पर फोकस करने वाली नीति बताई। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत विश्व गुरु बन सकता है, क्योंकि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ी है। भारत में शोध और मूल्य आधारित शिक्षा का विकास हो रहा है। विश्वविद्यालय की रैंकिंग बढ़ाने में राज्यपाल जी की मार्गदर्शन में प्रेरणा को उन्होंने उपलब्धि बताया।

इस अवसर पर भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ की कुलपति, प्रोफेसर मांडवी सिंह ने विकसित भारत की उद्देश्य प्राप्ति में भारतीय संस्कृति और कला की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत में भारतीय कलाओं को जोड़ना विकसित भारत के लक्ष्य में सहयोगी हो सकता है।

कार्यक्रम को सम्पन्न करते हुए अपर मुख्य सचिव राज्यपाल, डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे ने सभी विश्वविद्यालयों को विकसित भारत के संकल्पों और अपेक्षाओं को पूरा करने और युवा भागीदारी बढ़ाने में भूमिका निर्वहन की अपेक्षा को पूरा करने के लिए कहा।

कार्यक्रम के पैनल डिस्कशन सत्र में तकनीकी विकास, डिजिटल विकास जैसे विविध बिंदुओं पर चर्चा–परिचर्चा के दौरान उपस्थित कुलपतियों, प्रोफेसर्स ने शंकाए, विचार–विमर्श तथा उपलब्ध की जा चुकी उच्च विशेषताओं की जानकारियाँ भी साझा की, जिनमें एस0जी0पी0जी0आई0 के निदेशक प्रो0 आर0के0 धीमान, के0जी0एम0यू0 की कुलपति प्रो0 सोनिया नित्यानंद, लखनऊ विश्वविद्यालय से प्रो0 शीला मिश्रा, प्रो0 अनूप कुमार, इंटीग्रल विश्वविद्यालय के कुलपति, शकुंतला मिश्रा दिव्यांग पुनर्वास विश्वविद्यालय से डॉ0 अनामिका चौधरी तथा अन्य शिक्षाविद शामिल रहे।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा और संरक्षण छाया में आयोजित आज के कार्यक्रम में राजभवन के गांधी सभागार में राज्य एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, रजिस्ट्रार, निजी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि एवं कुलपति, शिक्षक, शासन से आए अपर मुख्य सचिव, राजभवन के अधिकारी एवं कर्मचारी के साथ–साथ प्रदेश के समस्त राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों ने भी वेब लिंक से जुड़कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन विशेष कार्याधिकारी शिक्षा राजभवन, श्री पंकज जॉनी ने किया।

सूचना परिसर राजभवन
सम्पर्क सूत्र–
9453005360,
8318116361